शनिवार , 14 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

CITY NEWS MUMBAI

वर्ष - 15 • अंक - 78 CITY NEWS MUMBAI

महासभा की SOP पर विपक्ष का विरोध, सय्यद आफरीन ने सदन में फाड़ी प्रति

आम जनता और पत्रकारों को प्रवेश देने की मांग

मीरा-भाईंदर (सिटी न्यूज़ मुंबई):
मीरा-भाईंदर महानगरपालिका की महासभा के लिए लागू की गई नई मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) को लेकर विपक्ष ने विरोध दर्ज कराया है। विपक्ष की नेता सय्यद आफरीन मुझफ्फर हुसैन ने सदन में इस SOP का कड़ा विरोध करते हुए उसकी प्रति फाड़कर अपना विरोध जताया और इसे तत्काल रद्द करने की मांग की।

सय्यद आफरीन ने कहा कि महानगरपालिका की महासभा शहर के नागरिकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों और जनसमस्याओं पर चर्चा करने का लोकतांत्रिक मंच है। यह कोई बंद कमरों में होने वाली बैठक नहीं है। ऐसे में महासभा में आम नागरिकों और पत्रकारों के प्रवेश पर पाबंदियां लगाना उचित नहीं है।



उन्होंने कहा कि शहर के नागरिकों को यह जानने का पूरा अधिकार है कि उनके शहर के विकास, सुविधाओं और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों से जुड़े फैसले किस तरह लिए जा रहे हैं। महासभा की कार्यवाही में पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है।

विपक्ष की नेता ने मांग की कि नई SOP को तत्काल रद्द किया जाए, महासभा में आम नागरिकों और पत्रकारों को पहले की तरह प्रवेश दिया जाए तथा महासभा की कार्यवाही का नियमित रूप से लाइव प्रसारण शुरू किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की भागीदारी और पारदर्शिता महत्वपूर्ण है। महासभा पर प्रतिबंध लगाने के बजाय इसे आम जनता के लिए खुला रखा जाना चाहिए।

महाराष्ट्र मंत्रालय की कैंटीन में बदला मेन्यू, 54 व्यंजन शामिल; कांदे पोहे को नहीं मिली जगह

महाराष्ट्र मंत्रालय की कैंटीन के नए मेन्यू में 54 व्यंजन शामिल। समोसे-बटाटे वड़े की छुट्टी, लेकिन कांदे पोहे न होने पर उठे सवाल। मंत्रालय और विधानभवन की कैंटीन में 54 तरह के व्यंजन शामिल, गुजराती खाने को प्राथमिकता। मेन्यू में ढोकला और दाबेली शामिल, लेकिन कांदे पोहे गायब। समोसे-बटाटे वड़े की जगह पौष्टिक नाश्ते को बढ़ावा। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई स्थित मंत्रालय और विधानभवन की कैंटीन के मेन्यू में बदलाव किया है। अब यहां अधिकारियों और कर्मचारियों को खाने के लिए 54 तरह के विकल्प मिलेंगे। नई सूची में



गुजराती, उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय व्यंजनों को शामिल किया गया है। हालांकि, महाराष्ट्र के लोकप्रिय नाश्ते कांदे पोहे को जगह नहीं मिलने से मेन्यू को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मंत्रालय की कैंटीन में गुजराती व्यंजनों को जगह नए मेन्यू में मूंग ढोकला, सफेद ढोकला और कच्छ दाबेली जैसे गुजराती व्यंजन शामिल किए गए हैं। इनके साथ पुणे मिसल, शेगांव कचोरी, सेवई उपमा और कोथिंबीर वड़ी जैसे विकल्प भी उपलब्ध होंगे। कुल 54 खाद्य पदार्थों की इस सूची में अलग-अलग क्षेत्रीय स्वाद को शामिल करने की कोशिश की गई है। हालांकि, महाराष्ट्र राज्य में लोकप्रिय कांदे पोहे का नाम इस सूची में नहीं है। समोसे और बटाटे वड़े की जगह पौष्टिक विकल्प महाराष्ट्र सरकार ने कैंटीन में कर्मचारियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेन्यू में बदलाव किया है। इसके तहत ज्यादा तले हुए और मसालेदार ...शेष 7 पर

मुंबई में दिवाली पर पटाखे फोड़ने वालों पर पुलिस का एक्शन, 82 FIR दर्ज और 110 लोगों को नोटिस जारी



मुंबई में सार्वजनिक जगहों पर पटाखे फोड़ने पर 82 एफआईआर दर्ज। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के तहत पुलिस और बीएमसी कर रही कार्रवाई। मुंबई में 5 से 11 नवंबर के बीच पटाखे फोड़ने पर 82 FIR दर्ज, 110 को नोटिस। मालाबार हिल में सबसे ज्यादा 16 और पवई में 11 मामले दर्ज हुए। सार्वजनिक जगहों पर पटाखे फोड़ने पर हाईकोर्ट की रोक, उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई। दिवाली के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे ...शेष 7 पर

मराठी मानुष बीजेपी के जाल में न फंसे! राज ठाकरे ने यूपी चुनाव और छठ विवाद को लेकर भाजपा पर साधा निशाना



राज ठाकरे ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा छठ पूजा और अन्य मुद्दों के जरिए समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। रा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने एक्स पर पोस्ट कर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी आगामी चुनावों के मद्देनजर छठ पूजा और अन्य मुद्दों के जरिए समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। राज ठाकरे ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके द्वारा पाला-पोसा ...शेष 7 पर

NCP के दोनों गुटों का नहीं होगा विलय! संजय राउत बोले- आखिरी सांस तक BJP के साथ नहीं जा सकते शरद पवार

शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने अजित पवार गुट के विलय और शरद पवार के BJP में जाने की अटकलों को खारिज करते हुए इसे भाजपा की अफवाह बताया। संजय राउत ने NCP के विलय की अटकलों को खारिज किया। संजय राउत बोले शरद पवार किसी भी हालत में बीजेपी के साथ नहीं जा सकते। संजय राउत ने भाजपा पर साधा निशाना। महाराष्ट्र में इन दिनों राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों की गुटों के विलय की चर्चाएं तेज हो गई है। शरद पवार और सुनेत्रा पवार के गुटों के विलय और शरद पवार के अगले राजनीतिक कदम को लेकर चल रही अटकलों पर शिवसेना



(UBT) के सांसद संजय राउत ने बयान देकर राजनीतिक चर्चाओं का रुख मोड़ दिया है। शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मैंने कई बार कहा है कि विलय की चर्चा खत्म हो चुकी है। आप लोग इसे इतना महत्व क्यों दे रहे हैं? किसी भी हाल में अजित पवार का गुट शरद पवार की मूल पार्टी में विलय नहीं करेगा। शरद पवार कभी भी BJP के साथ नहीं जा सकते संजय राउत ने दावा किया शरद पवार कभी भी BJP के साथ नहीं जा सकते। वे अपनी आखिरी सांस तक ऐसा नहीं करेंगे। उनकी विचारधारा बिल्कुल अलग है। संजय राउत ने कहा कि शरद पवार ने अपना पूरा राजनीतिक जीवन शाहू, फुले और आंबेडकर की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का पालन करते हुए बिताया है। संजय राउत का बीजेपी पर तीखा हमला उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने शरद पवार के राजनीतिक सफर पर बात करते हुए कहा कि क्या उनसे यह उम्मीद की जा सकती है कि वे अपने जीवन के इस पड़ाव पर BJP में शामिल हो जाएंगे? ऐसा सोचना भी शर्मनाक है। BJP ही इस तरह की बातें फैला रही है और उन्हें बढ़ावा दे रही है।

वायु प्रदूषण से भारत को हर साल 24 लाख करोड़ का नुकसान! GDP का 6% हिस्सा धुएं में हो रहा बर्बाद

एक रिपोर्ट के मुताबिक, वायु प्रदूषण से भारत को 2024 में 24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। PM2.5 में 20% कमी से 2030 तक 8 लाख करोड़ रुपये बच सकते हैं। वायु प्रदूषण के कारण 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था को करीब 24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जो GDP का लगभग 6% है। PM2.5 प्रदूषण में 20% कमी लाकर 2030 तक 8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान टाला जा सकता है। प्रदूषण कम करने से हर साल 24 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ और 10 करोड़ से अधिक नौकरियों को सहारा मिलने का अनुमान है। सर्दियों की शुरुआत के साथ ही उत्तर भारत में वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर होने लगती है। इस दौरान धुंध, वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI), स्कूलों में छुट्टियों और मास्क पहनने को लेकर चर्चा तेज हो जाती है। हालांकि, प्रदूषित हवा का असर सिर्फ लोगों की सेहत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा नुकसान पहुंचा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदूषण के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बचते हैं, कर्मचारी छुट्टी लेते हैं और कई बार काम पर पहुंचने के बावजूद पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाते। इसका सीधा असर आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है। PM2.5 में 20% कमी से बच सकते हैं 8 लाख करोड़ रुपये डालबर्ग एडवाइजर्स और क्लीन एयर फंड के सर्वे में वायु प्रदूषण से होने वाले आर्थिक नुकसान की गंभीर तस्वीर सामने आई है। आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषण के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को 2024 में करीब 24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का लगभग 6 प्रतिशत है। विश्लेषण के मुताबिक, PM2.5 प्रदूषण के स्तर में करीब 20 प्रतिशत की कमी लाकर 2030 तक 8 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक नुकसान को टाला जा सकता है। कर्मचारियों की उत्पादकता पर पड़ रहा असर रिपोर्ट के अनुसार, वायु प्रदूषण से होने वाले आर्थिक नुकसान की बड़ी वजह कर्मचारियों की उत्पादकता में गिरावट है। सांस लेने में परेशानी, खांसी, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याओं के बावजूद कई कर्मचारी काम पर पहुंचते हैं, लेकिन उनकी एकाग्रता और काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। इस स्थिति को 'प्रेजेंटिज्म' यानी उपस्थित रहने के बावजूद पूरी क्षमता से काम न कर पाना कहा जाता है। विश्लेषण में सामने आया है कि प्रदूषण से होने वाले कुल आर्थिक नुकसान में इस तरह उत्पादकता घटने की बड़ी हिस्सेदारी है।



पर्यटन और उपभोक्ता खर्च में कमी से 6.97 लाख करोड़ का नुकसान प्रदूषण बढ़ने पर लोग खरीदारी, रेस्तरां में खाना खाने और घूमने-फिरने जैसी गतिविधियों से दूरी बनाने लगते हैं। इससे खुदरा कारोबारियों, रेस्तरां और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े व्यवसायों की कमाई प्रभावित होती है।

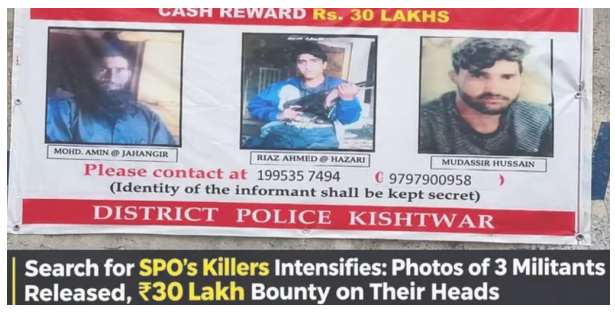
बंगाल की खाड़ी से आ रहा एक और चक्रवाती तूफान, दिल्ली-NCR समेत कई राज्यों में अलर्ट

बंगाल की खाड़ी में 16 नवंबर तक चक्रवाती तूफान बनने की आशंका है। IMD ने समुद्र में तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-NCR समेत कई राज्यों में बारिश का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी में एक संभावित चक्रवाती तूफान को लेकर मौसम विभाग ने निगरानी तेज कर दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र अगले कुछ दिनों में और ताकतवर हो सकता है। इसके 14 नवंबर को Well Marked Low Pressure Area बनने और 15 नवंबर की सुबह तक डिप्रेशन में तब्दील होने का अनुमान है। इसके बाद सिस्टम उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग की आशंका है कि 16 नवंबर की शाम तक यह मध्य बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इस संभावित तूफान के मद्देनजर बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के आसपास समुद्र में हलचल बढ़ने की चेतावनी जारी की गई है। कुछ समुद्री क्षेत्रों में 17 नवंबर से 65 से 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान हवा के झोंके 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग ने मछुआरों को 15 नवंबर तक समुद्र से लौटने की सलाह दी है। उधर, देश के कई हिस्सों में बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। दिल्ली-NCR, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में 13 और 14 नवंबर को कुछ स्थानों पर बारिश का अनुमान है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 14 और 15 नवंबर, जबकि पूर्वी राजस्थान में 15 नवंबर को छिटपुट बारिश हो सकती है। इसके अलावा, 15 नवंबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत के मौसम को प्रभावित कर सकता है। बंगाल की खाड़ी में कब और कैसे बनेगा चक्रवाती तूफान? IMD के ताजा विश्लेषण के मुताबिक, मध्य अंडमान सागर और उससे सटे अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के ऊपर ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसी के प्रभाव से 13 नवंबर को सुबह 5:30 बजे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित हुआ। सुबह 8:30 बजे जारी मौसम विश्लेषण में भी यह सिस्टम इसी क्षेत्र में सक्रिय था। मौसम विभाग के अनुसार, यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ सकता है।



14 नवंबर तक इसके और संगठित होकर Well Marked Low Pressure Area बनने की संभावना है। इसके बाद 15 नवंबर की सुबह तक यह डिप्रेशन में बदल सकता है।

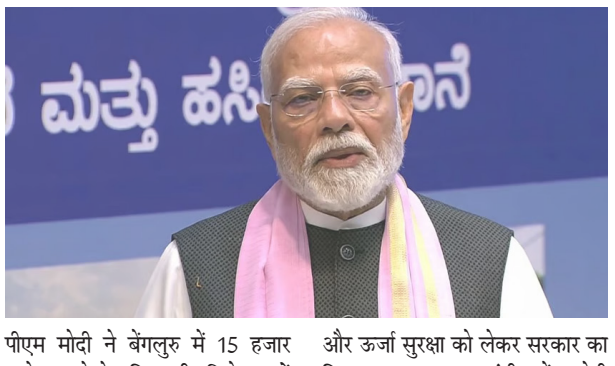
किश्तवाड़ में दो SPO की हत्या करने वाले 3 आतंकियों पर 30 लाख का इनाम घोषित, पुलिस ने जारी किए पोस्टर



Search for SPO's Killers Intensifies: Photos of 3 Militants Released, ₹30 Lakh Bounty on Their Heads

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो SPO की हत्या के बाद पुलिस ने तीन आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। उनकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना पर 30 लाख का इनाम मिलेगा। किश्तवाड़ पुलिस ने तीन सक्रिय आतंकियों की तस्वीरों वाले पोस्टर जारी किए हैं। मोहम्मद अमीन, रियाज अहमद और मुदस्सिर हुसैन की गिरफ्तारी में मददगार सूचना पर कुल 30 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है। दच्छन के दूरदराज इलाके में दो SPO के गोलियों से छलनी शव मिले थे। उनके सर्विस हथियार भी गायब हैं। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (SPO) की हत्या के मामले में शामिल आतंकियों की तलाश तेज कर दी गई है। जिला पुलिस ने तीन सक्रिय आतंकियों की तस्वीरों वाला पोस्टर जारी किया है।

दिल्ली-मुंबई के बाद बेंगलुरु तीसरा शहर! मेट्रो ने पार किया 100 किमी का नेटवर्क, PM मोदी ने दी सौगात



पीएम मोदी ने बेंगलुरु में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। उन्होंने मध्यम वर्ग की बचत, ऊर्जा सुरक्षा और विकास पर जोर दिया। पीएम मोदी ने बेंगलुरु में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 2014 में 14 किलोमीटर का बेंगलुरु मेट्रो नेटवर्क अब 100 किलोमीटर से ज्यादा हो गया है। पीएम ने मध्यम वर्ग की बचत बढ़ाने, क्रय क्षमता मजबूत करने और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर सरकार का विजन बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में मेट्रो, रेल और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े काम शामिल हैं। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन कर्नाटक की विकास यात्रा को नई गति देने वाला है।

छठ पर बिहार जाने वालों को राहत, दिल्ली से चलेंगी 77 स्पेशल बसें, ट्रेन में वेटिंग का झंझट खत्म

छठ पर्व पर बिहार जाने वालों के लिए खुशखबरी! दिल्ली से 77 स्पेशल बसें चलेंगी, किराये में 134 से 1,028 रुपये तक की छूट। अब ट्रेन की वेटिंग और महंगे बस किराये की चिंता खत्म। छठ में दिल्ली में रहने वाले बिहार और पूर्वांचल के लोग घर जाने की चिंता में पड़ जाते हैं। छठ पर ट्रेन में टिकट पाना मुश्किल होता है और बस का किराया भी महंगा पड़ सकता है। ऐसे में यात्रियों की सुविधा के लिए सरकार ने 77 बसें शुरू करने का फैसला किया है। छठ पर्व के समय दिल्ली में रहने वाले बिहार और पूर्वांचल के लोग घर जाने की चिंता में पड़ जाते हैं। ट्रेन में टिकट पाना मुश्किल होता है और बस का किराया भी महंगा पड़ सकता है। ऐसे यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली और बिहार सरकार ने 77 अंतरराज्यीय बसें शुरू की हैं। इन बसों में यात्रा करने पर यात्रियों को 134 रुपये से लेकर 1,028 रुपये तक की छूट मिलेगी। ये बसें दिल्ली के आनंद विहार बस टर्मिनल से बिहार के पांच मंडलों के लिए चलेंगी। दिल्ली और बिहार सरकार में समझौता दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने गुरुवार को जानकारी दी कि छठ पर्व के दौरान घर लौटने वाले लोगों को सुरक्षित और सस्ते सफर की सुविधा देने के लिए दिल्ली और बिहार सरकार ने मिलकर यह योजना शुरू की है। इस संबंध में दोनों राज्यों के बीच समझौता भी हुआ है। बिहार के इन इलाकों के लिए बस सेवा शुरू शुरुआती योजना के तहत आनंद विहार बस टर्मिनल से कुल 77 बसें चलाई गई हैं, जो बिहार के पांच मंडलों के लिए संचालित होंगी। इनमें से सबसे अधिक 36 बसें मुजफ्फरपुर के लिए निर्धारित की गई हैं। इसके अलावा, पटना के लिए 13, पूर्णिया के लिए 12, गया जी के लिए 10 और दरभंगा के लिए 6 बसें चलाई जाएंगी। इस व्यवस्था से यात्रियों को बिहार के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचने का विकल्प मिलेगा। यह सुविधा विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो छठ पर्व मनाने अपने घर जाना चाहते हैं। किराये में छूट से यात्रियों को मिलेगी राहत इन बसों में यात्रियों को केवल एक प्रकार की सीट का विकल्प नहीं मिलेगा। इनमें एसी और नॉन-एसी के साथ स्लीपर और सीटर की सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इसका मतलब है कि यात्री अपनी आवश्यकता और बजट के अनुसार बस का चयन कर सकेंगे। दिल्ली के परिवहन मंत्री ने बताया कि सभी प्रकार की बसों के किराये में छूट दी जा रही है। यात्रियों को रूट और बस की श्रेणी के अनुसार 134 रुपये से 1,028 रुपये तक की बचत होगी।



NCP विलय की अटकलों के बीच दिल्ली में बड़ी हलचल! सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल के बीच 35 मिनट तक हुई बैठक

NCP विलय की चर्चाओं के बीच दिल्ली में सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल की 35 मिनट तक मुलाकात हुई। बैठक के बाद सुनील तटकरे से भी चर्चा, महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज। दिल्ली में संसद परिसर के भीतर सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल की बैठक हुई। दोनों नेताओं के बीच एनसीपी के संभावित विलय को लेकर करीब पैंतीस मिनट चर्चा चली। इस मुलाकात के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में सियासी अटकलें एक बार फिर तेज हो गईं। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर सियासी चर्चाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं। इसी बीच दिल्ली में शरद पवार गुट की सांसद सुप्रिया सुले और अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल के बीच करीब 35 मिनट तक हुई मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह बैठक संसद परिसर में हुई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों नेताओं के बीच काफी देर तक चर्चा हुई। इस मुलाकात के बाद प्रफुल्ल पटेल और अजित पवार गुट के प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे के बीच भी बैठक होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, इन बैठकों का



आधिकारिक एजेंडा सामने नहीं आया है। शरद पवार से मुलाकात के बाद बढ़ी थीं चर्चाएं दरअसल, पिछले कुछ दिनों से NCP के दोनों गुटों के एक साथ आने की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। शरद पवार के अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान प्रफुल्ल पटेल ने उनसे मुलाकात की थी। इसके बाद विलय की अटकलों को और हवा मिली। इससे पहले सुनील तटकरे ने भी विलय को लेकर अहम बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि फिलहाल दोनों गुटों के बीच विलय पर कोई चर्चा नहीं हो रही है, लेकिन अगर अजित पवार जीवित होते तो 12 फरवरी को ही दोनों गुटों का विलय हो गया होता। उनके इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई थी। सुप्रिया सुले ने विलय की संभावना से किया इनकार दिल्ली में प्रफुल्ल पटेल से मुलाकात की खबरों के बीच सुप्रिया सुले ने विलय को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि अजित पवार के जीवित रहते दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत चल रही थी और इस संबंध में सभी को जानकारी थी। हालांकि, अजित पवार के निधन के बाद उनके लिए यह विषय समाप्त हो गया है। सुले ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें विलय का कोई नया प्रस्ताव नहीं मिला है और न ही इस मुद्दे पर किसी ने उनसे संपर्क किया है। उन्होंने शरद पवार से दूसरे गुट के नेताओं की मुलाकात को सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार बताया। सुनेत्रा पवार के बयान से भी बढ़ी थी चर्चा इससे पहले सुनेत्रा पवार से जब दोनों गुटों के विलय को लेकर सवाल किया गया था, तो उन्होंने कहा था कि सही समय आने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।

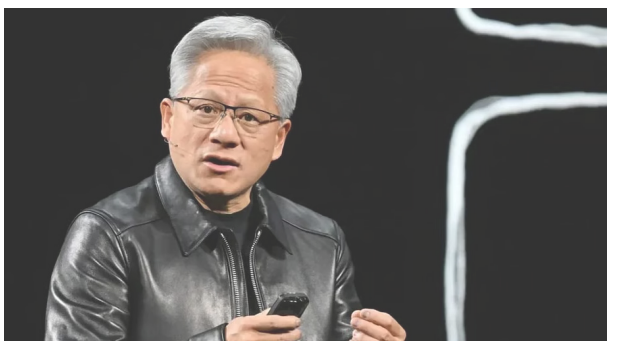
गोलाघाट में ट्रैवलर और कंटेनर ट्रक की भीषण टक्कर, 20 लोगों की मौत; कई घायल

असम के गोलाघाट में NH-27 पर ट्रैवलर गाड़ी कंटेनर ट्रक से टकरा गई। हादसे में 20 से अधिक लोगों की मौत की आशंका है। मृतकों में दो 20 वर्षीय युवकों की पहचान हुई है। गोलाघाट जिले के रंगाजन में NH-27 पर ट्रैवलर गाड़ी और कंटेनर ट्रक की टक्कर। हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत, ज्यादातर यात्री कॉलेज छात्र बताए जा रहे हैं, बढ़ सकती है मृतकों की संख्या। अतुल बोरा और अरुण कुमार (दोनों 20 वर्ष) की पहचान हुई; घायलों को कोहोरा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। असम के गोलाघाट जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर रंगाजन के पास एक ट्रैवलर गाड़ी की कंटेनर ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम 20 से अधिक लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। ट्रैवलर में सवार ज्यादातर



लोग कॉलेज के छात्र बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए कोहोरा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया है। टक्कर मारने वाले कंटेनर ट्रक पर कर्नाटक का रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज था। फिलहाल हादसे के कारणों और मृतकों की कुल संख्या को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। कै 15 लोगों के मौत की पुष्टि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर कोहोरा रेंज में हुई। यह घटना रंगाजन क्षेत्र में हाथीकुली टी एस्टेट के पास हुई, जहां यात्रियों से भरी मिनी बस कंटेनर ट्रक से टकरा गई। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्ननिल डेका ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हुई है। हम सभी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बस से शवों को बाहर निकाला जा रहा है। इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। असम पुलिस ने यह भी कहा कि बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सटीक जानकारी अभी तक नहीं मिली है। दो मृतकों की हुई पहचान हादसे में जान गंवाने वालों में 20 वर्षीय अतुल बोरा और 20 वर्षीय अरुण कुमार की पहचान हुई है। दोनों स्थानीय क्षेत्र के रहने वाले थे। हादसे में घायल अन्य लोगों का कोहोरा स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराया जा रहा है। से हुआ हादसा? प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रैवलर वाहन बोकाखात से नगांव की ओर जा रहा था, जब काजीरंगा के पास सामने से आ रहे ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई। वाहन में अधिकतर यात्री छात्र बताए जा रहे हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे। क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए बचाव कार्य शुरू किया गया।

जेन्सेन हुआंग कैसे बने 14.57 लाख करोड़ के मालिक, कभी बोर्डिंग स्कूल में बाथरूम साफ करने जैसे काम भी किया



जेन्सेन हुआंग का अरबों डॉलर की टेक कंपनी के मालिक बनने का सफर प्रेरणादायक रहा है। उनका जन्म 17 फरवरी 1963 को ताइवान के ताइनान शहर में हुआ था, फिर वे अमेरिका में बस गए। जेन्सेन हुआंग ने 9 साल की उम्र से काम करना शुरू किया उन्होंने बोर्डिंग स्कूल के बाथरूम साफ करने जैसे काम भी किए जेन्सेन हुआंग ने अमेरिका में वेटर का काम भी किया NVIDIA के CEO जेनसन हुआंग का एक चीनी महिला के साथ अफेयर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस अफेयर के कारण जेनसन हुआंग विवादों में फंस गए हैं। जेनसन हुआंग ने स्वयं इस अफेयर को स्वीकार किया है। जिसके बाद उन्होंने NVIDIA कंपनी के CEO पद से इस्तीफा दे दिया। ऐसे में आज हम ये जानने की कोशिश करेंगे कि जो इंसान एक दिन रेस्टोरेंट में बर्तन धोने का काम करता था उसने NVIDIA के CEO बनने तक का सफर कैसे तय किया। जेन्सेन हुआंग का अरबों डॉलर की टेक कंपनी के मालिक बनने का सफर काफी प्रेरणादायक रहा है।

अडानी के तराली प्रोजेक्ट की लागत 5,675 करोड़ से सीधे 57 करोड़ पर कैसे आ गई? मोदी सरकार पर उठे सवाल



अडानी ग्रीन एनर्जी ने सातारा के 1,500 मेगावाट तराली पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट की लागत 5,675 करोड़ रुपये से घटाकर 56.75 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव दिया। सातारा में बन रहा 1,500 मेगावाट का तराली पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट अडानी ग्रीन एनर्जी ने प्रोजेक्ट की लागत 5,675 करोड़ रुपये से घटाकर 56.75 करोड़ रुपये बताई वन्यजीव संरक्षण शुल्क 227 करोड़ रुपये से घटकर महज 2.27 करोड़ रुपये रह गया अडानी समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड महाराष्ट्र के सातारा जिले में अपनी एक जलविद्युत परियोजना की लागत में भारी कटौती करने के कारण विवादों में घिर गई है। आधिकारिक दस्तावेजों और रिकॉर्ड के अनुसार, कंपनी ने 1,500 मेगावाट की तराली पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत को 5,675 करोड़ रुपये से घटाकर सीधे 56.75 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव दिया है।

मोदी की कुर्सी पर फडणवीस की नजर? पवन खेड़ा ने PM पद से जोड़ दी महाराष्ट्र CM की महत्वाकांक्षा

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने CM फडणवीस पर निशाना साधते हुए उनकी महत्वाकांक्षा को PM पद से जोड़ा। FSSAI विवाद और नवी मुंबई एयरपोर्ट मुद्दे पर जानें पूरा मामला। पवन खेड़ा ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षा पर उठाया सवाल। केंद्र सरकार और उद्योगपति से टकराव मोल लेने को बड़ा राजनीतिक संकेत बताया गया। FSSAI विवाद और नवी मुंबई एयरपोर्ट योजना के विरोध का विशेष रूप से जिक्र हुआ। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्र सरकार के बीच दो अलग-अलग मुद्दों पर सामने आए मतभेद अब राजनीतिक चर्चा का विषय बन गए हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इन घटनाक्रमों को प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षा से जोड़ते हुए फडणवीस पर तंज कसा



है। पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया लिखा कि फडणवीस की नजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुर्सी पर है। इतना ही नहीं, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी टैग करते हुए पूछा, योगी जी, आपका ध्यान किधर है? दिल्ली की कुर्सी पर तो फडणवीस की नजर है। केंद्र से टकराव बढ़ा रहे हैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री? पवन खेड़ा ने अपने पोस्ट में दो घटनाओं का जिक्र किया। पहला, महाराष्ट्र सरकार का FSSAI के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचना और दूसरा, नवी मुंबई एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को स्थानांतरित करने की योजना का मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा विरोध करना। कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा कि एक ही सप्ताह में केंद्र और उसके पसंदीदा उद्योगपति से टकराव मोल लेना किसी बड़ी राजनीतिक महत्वाकांक्षा का संकेत है। हालांकि, फडणवीस की प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर उन्होंने कोई ठोस प्रमाण पेश नहीं किया। सीएम फडणवीस ने क्या कहा था? मुंबई एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (MIAL) ने मार्च 2027 से 14 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की उड़ानों को नवी मुंबई एयरपोर्ट पर स्थानांतरित करने का प्रस्ताव रखा था। इनमें दोहा, जेद्दा, ढाका, काठमांडू, मस्कट, रियाद और कुवैत सिटी जैसे शहर शामिल हैं। इस पर देवेंद्र फडणवीस ने साफ कहा कि मुंबई से कोई भी उड़ान बाहर नहीं जानी चाहिए। उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री को पत्र लिखकर वैकल्पिक योजना भी सुझाई।

सम्पादकीय

भाजपा की सत्ता के लिए अथाह भूख कब खत्म होगी ?

सत्ता के बल पर संस्थाओं पर कब्जा किया जा सकता है; लेकिन जनता के मन में उत्पन्न असंतोष को हमेशा के लिए दबाया नहीं जा सकता। सत्ता को उखाड़ फेंकने की शक्ति मतदाताओं के मत में निहित है। महाभारत में दुर्योधन सत्ता की असीमित लालसा का प्रतीक था। वह हस्तिनापुर राज्य को अपने अधीन रखना चाहता था और पांडवों को सुई की नोक पर समा सकने वाली एक छोटी सी जमीन भी नहीं देना चाहता था। महाभारत युद्ध दुर्योधन के सत्ता-लोभी अहंकार के कारण लड़ा गया था। इस युद्ध में सौ भाई, मित्र, सेनापति और गुरु मारे गए। अंततः दुर्योधन का भी अंत हुआ। उसने सत्ता के लालच में अपने ही साम्राज्य को नष्ट कर दिया। आज जब हम भाजपा की राजनीति को देखते हैं, तो हमें दुर्योधन का रवैया याद आता है। केंद्र में सत्ता, कई राज्यों में सत्ता, देश की प्रमुख संस्थाओं पर प्रभाव; फिर भी भाजपा की सत्ता की भूख शांत नहीं होती। भाजपा न केवल नगरपालिकाओं, नगर निगमों, सहकारी समितियों, दुग्ध संघों और ग्राम पंचायतों पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहती है, बल्कि हर संस्था पर उसका अपना प्रभुत्व होना चाहिए। सत्ता हासिल करने के लिए जनता का विश्वास जीतने के बजाय, सत्तारूढ़ भाजपा की जनमत परिणामों को बदलने की प्रवृत्ति एक राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं बल्कि सत्ता की एक राक्षसी भूख है जो लोकतंत्र को निगल रही है। चंडीगढ़ में वोटों की चोरी, गोकुल में कानून की आड़ में सत्ता की चोरी! पूरे देश ने 2024 के चंडीगढ़ महापौर चुनाव में भाजपा की जीत सीसीटीवी फुटेज के जरिए देखी, जिसमें रिटर्निंग ऑफिसर अनिल मसीह ने आठ मतपत्रों को अमान्य घोषित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मतपत्रों में हेराफेरी का पर्दाफाश करते हुए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को विजेता घोषित किया और भाजपा उम्मीदवार की जीत को रद्द कर दिया। देश के सर्वोच्च न्यायालय को चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना पड़ा और लोकतांत्रिक मत को बहाल करना पड़ा, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए एक बड़ा कलंक था। चंडीगढ़ के बाद, महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (गोकुल) में भाजपा के हस्तक्षेप ने नैतिकता, शर्म और अपमान को छुपाने का काम किया है और यह पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। कांग्रेस नेता सतेज उर्फ बंटी पाटिल के नेतृत्व वाले समान विचारधारा वाले गठबंधन ने 25 में से 13 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। महायुति को 12 सीटें मिलीं। हालांकि, चुनाव में हार स्वीकार करने के बजाय, सत्ताधारी पार्टी ने एक अलग रास्ता चुना। पहली बैठक में महायुति के निदेशक की अनुपस्थिति से कोरम का मुद्दा खड़ा हो गया। इसके बाद, राज्य सरकार ने सहकारी समितियों में सरकारी सदस्यों की नियुक्ति और उनमें से चार को मतदान का अधिकार देने के लिए एक अध्यादेश जारी किया। परिणामस्वरूप, 12 निदेशकों और चार सरकारी सदस्यों के बल पर महायुति के राजेश पाटिल अध्यक्ष चुने गए। चुनाव में बहुमत हासिल करने वाले समूह को दरकिनार करते हुए, जनमत का अपमान करते हुए, सरकारी हस्तक्षेप के माध्यम से सत्ता समीकरण बदल दिया गया। यह लोकतंत्र के मुंह पर एक करारा तमाचा है। अगर जनता चुनाव में इसे नकार देती है, तो यह किस तरह का लोकतंत्र है? गोकुल दूध उत्पादकों का संगठन है, भाजपा की निजी संपत्ति नहीं। अगर सरकार सदस्यों द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के वोटों को अपनी सुविधा के अनुसार बदल रही है, तो सहकारी क्षेत्र में स्वायत्तता का कोई अर्थ नहीं रह जाता, फिर चुनाव कराने का दिखावा करने का क्या फायदा? विपक्ष को हराया नहीं जा सकता, इसलिए उन्हें चुनाव लड़ने की अनुमति ही नहीं दी जानी चाहिए! भाजपा के शासन का यही पैटर्न नगर निगम और नगरपालिका चुनावों में भी देखने को मिला है। विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को धमकाना, जांच एजेंसियों का भय दिखाना, उन्हें झूठे आरोपों में फंसाना, करोड़ों रुपये का लालच देकर उम्मीदवारी वापस लेने के लिए मजबूर करना और यदि उम्मीदवारी वापस नहीं लेते हैं, तो चुनाव अधिकारियों के माध्यम से उनके आवेदन खारिज करके विपक्ष के राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त करने का प्रयास करना, ये सब आम घटनाएं हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में, दलों को तोड़ना, विधायकों और सांसदों को अलग करना, विपक्षी दलों की सरकारों को गिराना और सत्ता के लिए विचारधारा का सहारा लेना भाजपा की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन गया है। जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़ने के बजाय, राजनीतिक ऊर्जा विपक्ष को खत्म करने में खर्च की जा रही है। यह भाजपा द्वारा राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने के लिए शुरू किया गया सत्ता-लोभी अभियान है। सत्ता की लालसा में राजनीतिक नैतिकता का ताक पर रख देना! भाजपा की राजनीति में सत्ता के लिए किसी भी प्रकार का समझौता वर्जित है। कल तक, भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे और राजनीतिक क्षेत्र में बदनाम हुए लोगों को पार्टी में शामिल किया जाता था और सत्ता के लाभ के लिए मानद पद दिए जाते थे। जनता द्वारा नकारे गए लोगों को सत्ता के बल पर सत्ता की गद्दी पर बिठाया जाता था। विचारधारा, सिद्धांत, पारदर्शिता और नैतिकता केवल भाषणों तक ही सीमित रह गए हैं। राजनीतिक विरोधियों पर उंगली उठाते हुए नैतिकता का पाठ पढ़ाना और सत्ता हासिल करने का समय आने पर उन्हीं विरोधियों को सत्ता में भागीदार बनाना, यही भाजपा का दोहरापन है। भाजपा की पूरी राजनीति इसी दोहरेपन पर आधारित है। भाजपा की राजनीति, जो सिद्धांतों को सत्ता के लिए बेचती है, देश का नेतृत्व नहीं कर सकती, वह केवल सत्ता का विपणन कर सकती है। क्या कल स्कूल मॉनिटरों के चुनाव के लिए एक अध्यादेश पारित किया जाएगा? भाजपा की सत्ता की लालसा को समझने के लिए एक सरल उदाहरण ही काफी है।

14 नवंबर यौमे-ए-वफात पर विशेष।

स्वतंत्रता सेनानी एन. एम. खाजा मियां रौथर

एन. एम. खाजा मियां रौथर, जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के एक हिस्से के रूप में महात्मा गांधी के मार्गदर्शन में स्वदेशी और खादी आंदोलनों में गहरी रुचि दिखाई और बड़े उत्साह के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की गतिविधियों में भाग लिया, उनका जन्म 1880 में तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के पलक्कोराई में एन. मुहम्मद मिया रौथर और आमीना बी के घर हुआ था। उन्होंने मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, मद्रास से संबंधित एक स्कूल में अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त की। हालांकि उन्होंने पाँचवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी, लेकिन उन्होंने अंग्रेजी, उर्दू और अरबी भाषाओं पर अच्छा अधिकार प्राप्त कर लिया था। उन्होंने यूनानी और सिद्ध जैसी


N. M. KHAJA MIA ROUTHAR
(1880-1954)

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में शोध किया। वह गरीबों को अपने द्वारा बनाई गई देसी दवाइयां मुफ्त में देते थे। उन्होंने कम उम्र में ही चमड़ा उद्योग की तकनीकी जानकारी में महारत हासिल कर ली थी। नवीन तकनीक को अपनाकर वह चमड़ा उद्योग में एक अग्रणी व्यक्ति बन गए। साथ ही उन्होंने अपनी मातृभूमि को ब्रिटिश शासन के चंगुल से मुक्त कराने के लिए चल रहे संघर्षों की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया। उस प्रक्रिया में वह महात्मा गांधी की ओर आकर्षित हुए और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल हो गए। उन्होंने खादी उद्योग शुरू किया और लोगों को आकर्षक खादी के कपड़े मुफ्त में बांटे। इस उदार कार्य से उन्हें भारी नुकसान हुआ, फिर भी उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन के नेताओं को खादी के कपड़े वितरित किए। उन्हें नुकसान की कभी परवाह नहीं हुई क्योंकि वह खादी को लोकप्रिय बनाने का हिस्सा बनने से खुश थे। 1918 में उन्होंने मजलिस-उल-उलेमा के सहयोग से एक अनाथालय की शुरुआत की। अपने अच्छे मित्र मदुरै जमाल मोहम्मद के साथ मिलकर उन्होंने धर्मनिरपेक्ष और आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयास शुरू किए। तिरुचिरापल्ली का जमाल मोहम्मद कॉलेज, जो अब तमिलनाडु राज्य के सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों में से एक के रूप में विकसित हो रहा है, खाजा मियां रौथर के मार्गदर्शन में अस्तित्व में आया था। एन. एम. खाजा मियां रौथर, जिन्होंने अपनी सारी संपत्ति और जमीन शैक्षणिक संस्थानों के विकास के लिए समर्पित कर दी थी, 14 नवंबर 1954 को इस दुनिया से विदा हो गए। स्रोतः द इम्मोर्टल्स-2, सैयद नसीर अहमद द्वारा, संकलन हसरत अली शेरपुर जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश

अमेरिका की दुविधा या चीन का लाभ ?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और चिप्स के क्षेत्र में अमेरिका और चीन के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। विश्व की शीर्ष अमेरिकी कंपनी एनवीडिया के प्रमुख का चीनी जासूसी जाल में फंसना क्या मायने रखता है? कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर और अत्याधुनिक कंप्यूटर चिप्स अब वैश्विक शक्ति संतुलन में तेल, प्राकृतिक गैस, परमाणु हथियार और सैन्य शक्ति के समान ही महत्वपूर्ण हो गए हैं। 21वीं सदी की विश्व महाशक्ति कौन होगी, इसका फैसला शायद युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि चिप निर्माण कारखानों, डेटा केंद्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशालाओं में होगा। अमेरिका और चीन के बीच संघर्ष की बदलती प्रकृति इसका प्रमाण है। ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर, अग्रणी अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया और उसके प्रमुख जेन्सेन हुआंग के आसपास मंडरा रही जासूसी की आशंका वैश्विक प्रौद्योगिकी जगत को हिला रही है। इससे यह सवाल उठता है कि क्या चीन ने अमेरिकी प्रौद्योगिकी साम्राज्य में घुसपैठ करके जीत हासिल कर ली है। सेमीकंडक्टर केवल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का एक घटक नहीं हैं। लड़ाकू विमान, मिसाइल प्रणाली, उपग्रह, रडार, साइबर सुरक्षा, खुफिया जानकारी, स्वचालित हथियार प्रणाली और आधुनिक युद्ध प्रणाली, ये सभी अत्याधुनिक चिप्स पर निर्भर करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से युद्धक्षेत्र की जानकारी का विश्लेषण, शत्रु की गतिविधियों का पूर्वानुमान, लक्ष्य की पहचान और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज किया जा सकता है। इसलिए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में प्रभुत्व का अर्थ है भविष्य की सैन्य शक्ति को प्रभावित करने की क्षमता। अमेरिका के पास चिप डिजाइन, अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर, अनुसंधान और वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों का एक विशाल नेटवर्क है। एनवीडिया, एएमडी, इंटेल, क्वालकॉम जैसी कंपनियां इस प्रणाली में प्रमुख भूमिका निभाती हैं। दूसरी ओर, चीन के पास विशाल विनिर्माण क्षमता, एक बड़ा घरेलू बाजार, सरकारी निवेश और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनने की राजनीतिक इच्छाशक्ति है। इसलिए यह प्रतिस्पर्धा अब किसी एक कंपनी या एक उत्पाद तक सीमित नहीं है। यह संपूर्ण प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र पर नियंत्रण की लड़ाई बन गई है। एनवीडिया के प्रमुख जेन्सेन हुआंग और चीन से जुड़ी व्यवसायी अनलिस हुआंग उर्फ हुआंग ले के बीच कथित करीबी संबंधों ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का ध्यान आकर्षित किया है। सिंगापुर स्थित डेटा सेंटर कंपनी मेगास्पीड से जुड़ी अनलिस हुआंग पर चीनी खुफिया एजेंसियों के लिए जानकारी जुटाने का संदेह है। बताया जाता है कि मेगास्पीड ने दो वर्षों में लगभग 4.8 अरब डॉलर मूल्य के एनवीडिया चिप्स खरीदे हैं। इन लेन-देन के मद्देनजर, चीन को उन्नत चिप्स पहुंचाने के संभावित तरीकों की भी जांच शुरू कर दी गई है। जेन्सेन हुआंग ने विवाहेतर संबंध होने की बात स्वीकार की है और अपने परिवार और सहकर्मियों से माफी मांगी है। एनवीडिया के निदेशक मंडल ने एक स्वतंत्र जांच शुरू की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा या व्यापारिक रहस्यों से संबंधित जानकारी लीक होने का कोई सबूत नहीं है। चीन ने भी जासूसी के आरोपों का खंडन किया है। इसलिए, एनलिस हुआंग के खिलाफ आरोपों या चीन की संलिप्तता के बारे में अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। शेयरधारकों को गुमराह करने के आरोप में एनवीडिया और जेन्सेन हुआंग के खिलाफ मुकदमा भी दायर किया गया है। इस मामले में अब राष्ट्रीय सुरक्षा के अलावा कॉर्पोरेट गवर्नेंस और निवेशकों की विश्वसनीयता का आयाम भी जुड़ गया है। इस घटना का मुख्य बिंदु यह संभावना है कि चीन ने अमेरिकी प्रौद्योगिकी नेतृत्व में संभावित कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश की हो सकती है। हालांकि, यह चिंताजनक है कि चीन अमेरिकी प्रौद्योगिकी सुरक्षा प्रणाली के सामने गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। अमेरिका ने निर्यात प्रतिबंधों का इस्तेमाल करके चीन को उन्नत चिप्स और परिष्कृत चिप निर्माण उपकरणों तक पहुँचने से रोका है। नीदरलैंड्स में ASML की उन्नत लिथोग्राफी मशीनों, अमेरिकी चिप डिज़ाइन सॉफ़्टवेयर और जापान के कुछ उपकरणों पर नियंत्रण चीन की प्रगति में प्रमुख बाधाएँ हैं। विशेष रूप से, चीन को EUV तकनीक तक आसानी से पहुँच नहीं है, जो उन्नत चिप निर्माण के लिए आवश्यक है। हालाँकि, इन प्रतिबंधों ने चीन की महत्वाकांक्षाओं को समाप्त नहीं किया है। इसके विपरीत, हुआवेई, SMIC और अन्य घरेलू कंपनियों के माध्यम से घरेलू चिप निर्माण को गति देने के प्रयास जारी हैं। चीन पुरानी पीढ़ी की DUV मशीनों, चिप पैकेजिंग और घरेलू अनुसंधान के अधिक कुशल उपयोग के माध्यम से तकनीकी अंतर को कम करने का प्रयास कर रहा है। सामरिक और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन केंद्र द्वारा 2026 के एक विश्लेषण के अनुसार, अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा लगाए गए निर्यात प्रतिबंधों ने चीन को अपने घरेलू प्रौद्योगिकी विकास में अधिक बढ़ावा दिया है। इसका मतलब यह नहीं है कि चीन ने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। चीन को अभी भी उन्नत चिप निर्माण, विनिर्माण परिशुद्धता, लिथोग्राफी, डिज़ाइन सॉफ़्टवेयर और उच्च-प्रदर्शन GPU के क्षेत्रों में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हालाँकि, अमेरिका पर निर्भर हुए बिना एक वैकल्पिक प्रणाली बनाने की चीन की रणनीति दीर्घकालिक है। अमेरिका के लिए असली चिंता का विषय यही है। मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी कांग्रेस में बहुमत हासिल कर लिया है।

रणबीर कपूर की रामायण ने दूसरे शुक्रवार को किया कमाल, धुरंधर समेत इन 3 फिल्मों को दी मात



'रामायण' ने दूसरे शुक्रवार को रात 8:30 बजे तक 33.32 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म की कुल कमाई 597.92 करोड़ रुपये पहुंच गई है। इसने 'छावा' और 'पुष्पा 2' को पीछे छोड़ दिया। नि नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है। रिलीज के बाद से ही फिल्म को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा के साथ-साथ सिनेमाघरों में भी दर्शकों की भीड़ देखने को मिल रही है। फिल्म को मजबूत वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिल रहा है। यही वजह है कि कमाई में उतार-चढ़ाव के बावजूद इसका कारोबार लगातार आगे बढ़ रहा है। अब फिल्म ने 600 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंचकर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, 'रामायण' ने रिलीज के पहले दिन 64.85 करोड़ रुपये की कमाई की थी। रामायण की कमाई फिल्म का दूसरे दिन कलेक्शन 48.05 करोड़ रुपये रहा, जबकि तीसरे दिन इसने 69.80 करोड़ रुपये का कारोबार किया। चौथे दिन कमाई घटकर 56.15 करोड़ रुपये रह गई। इसके बाद पांचवें दिन फिल्म ने 107.50 करोड़ रुपये कमाए। छठे दिन इसका कलेक्शन 94.10 करोड़ रुपये और सातवें दिन 70.65 करोड़ रुपये रहा। वहीं, आठवें दिन फिल्म ने 53.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह आठ दिनों में फिल्म की कुल कमाई 564.60 करोड़ रुपये पहुंच गई। तेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने 8 दिनों में 564.60 करोड़ रुपये कमाए। दूसरे शुक्रवार यानी 9वें दिन रात 8:30 बजे तक फिल्म का कलेक्शन 33.32 करोड़ रुपये रहा। दूसरे शुक्रवार को 33 करोड़ से ज्यादा की कमाई फिल्म के नौवें दिन यानी दूसरे शुक्रवार के शुरुआती आंकड़े भी सामने आ गए हैं। सैकनिल्क के मुताबिक, 'रामायण' ने रात 8:30 बजे तक 33.32 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया था। इस दौरान फिल्म की ऑक्यूपेंसी 27.9 प्रतिशत दर्ज की गई। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 597.92 करोड़ रुपये हो गई है। हालांकि, ये शुरुआती आंकड़े हैं और इनमें बदलाव हो सकता है। छावा और पुष्पा 2 को छोड़ा पीछे दूसरे शुक्रवार की कमाई के मामले में 'रामायण' ने कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म ने इस दिन 33.32 करोड़ रुपये कमाकर 'धुरंधर' के 32.50 करोड़ रुपये, 'पुष्पा 2' के 27 करोड़ रुपये और 'छावा' के 23.50 करोड़ रुपये के कलेक्शन को पछाड़ दिया है। इस प्रदर्शन के साथ 'रामायण' ने दूसरे शुक्रवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की सूची में बड़ी बढ़त बना ली है।

ध्वनि भानुशाली की जिंदगी में हुई प्यार की नई शुरुआत, यश भानुशाली संग की सगाई, शेयर कीं खूबसूरत तस्वीरें



दिलबर फेम सिंगर ध्वनि भानुशाली ने बॉयफ्रेंड यश भानुशाली से सगाई कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट की। सिंगर ध्वनि भानुशाली ने बॉयफ्रेंड यश भानुशाली से सगाई कर ली है। ध्वनि ने 13 नवंबर को इंस्टाग्राम पर सगाई की चार तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में कपल एक-दूसरे को गले लगाते नजर आया। दिलबर' और 'वास्ते' जैसे सुपरहिट गानों से अपनी पहचान बनाने वाली सिंगर ध्वनि भानुशाली इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। सिंगर ने अपने बॉयफ्रेंड यश भानुशाली के साथ सगाई कर ली है। इस खुशखबरी को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ साझा किया। ध्वनि ने मंगेतर यश के साथ कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें दोनों की खुशी साफ नजर आ रही है। इन तस्वीरों में सिंगर अपनी इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट करती भी दिखाई दीं।

छठी मैया की भक्ति में डूबीं अक्षरा सिंह, नहाय-खाय पर गंगा में लगाई आस्था की डुबकी



भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत की। उन्होंने गंगा में डुबकी लगाई और कई बड़े नेताओं को छठ पूजा का न्योता भी भेजा। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत की। एक्ट्रेस ने गंगा नदी में डुबकी लगाकर छठी मैया का आशीर्वाद लिया। अक्षरा ने सोशल मीडिया पर गंगा स्नान और सात्विक भोजन की तस्वीरें शेयर कीं। भोक्या कई बड़े नेताओं को अक्षरा ने भेजा छठ का न्योता अक्षरा सिंह भले ही मुंबई में रहती हैं, लेकिन छठ पूजा मनाने के लिए हर साल बिहार पहुंचती हैं। इस बार भी वह पूरे उत्साह के साथ पर्व की तैयारियों में जुटी हैं। खास बात यह है कि एक्ट्रेस ने छठ पूजा के लिए कई बड़ी राजनीतिक हस्तियों को भी आमंत्रित किया है। उनकी न्योता सूची में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा समेत कई नेताओं के नाम शामिल हैं। होता है नहाय-खाय छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाला महापर्व है, जिसकी शुरुआत नहाय-खाय से होती है। यह पर्व का पहला दिन होता है। इस दिन व्रती पवित्र नदी या तालाब में स्नान करते हैं और घर की साफ-सफाई के बाद सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। इसके बाद अगले दिन खरना, फिर संध्या अर्घ्य और अंत में उषा अर्घ्य दिया जाता है। छठ पर्व में सूर्य देव और छठी मैया की पूजा की जाती है। जपुरी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह इन दिनों छठ महापर्व को लेकर चर्चा में हैं। बिहार से ताल्लुक रखने वाली अक्षरा के लिए छठ पूजा बेहद खास है। वह हर साल इस पर्व को पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाती हैं। इस बार भी एक्ट्रेस छठी मैया का आशीर्वाद लेने बिहार पहुंची हैं। 13 नवंबर से छठ महापर्व की शुरुआत हो चुकी है और अक्षरा ने पहले दिन नहाय-खाय के साथ पूजा की शुरुआत की। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें वह गंगा में डुबकी लगाती और पूजा-पाठ करती नजर आ रही हैं। अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नहाय-खाय की कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं। गंगा में डुबकी लगाकर शुरू किया छठ महापर्व अक्षरा सिंह पहली तस्वीर में गंगा नदी में स्नान करती दिखाई दे रही हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में एक्ट्रेस सात्विक भोजन ग्रहण करती नजर आ रही हैं।

इस खास मौके पर उन्होंने पूजा-अर्चना के साथ भजन-कीर्तन भी किया। तस्वीरें शेयर करते हुए अक्षरा ने लिखा कि आज नहाय-खाय पर गंगा मैया में डुबकी लगाकर छठ महापर्व की शुरुआत की। छठी मइया का आशीर्वाद हम सब पर बना रहे। उनके इस पोस्ट पर फैंस भी प्यार लुटा रहे हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी को लेकर वैभव सूर्यवंशी ने संभाला मोर्चा, होलकर में जमकर की प्रैक्टिस



इंदौर के होलकर स्टेडियम में 14 नवंबर से सजेगा सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी का मेला। बिहार और सौराष्ट्र की टीमों ने नेट्स पर बहाया पसीना। इंदौर में 14 नवंबर से सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी का आगाज होगा। टूर्नामेंट को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह, टीमों ने तेज की तैयारियां। बिहार और सौराष्ट्र की टीमों ने होलकर स्टेडियम में अभ्यास किया। खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग पर जमकर पसीना बहाया। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर एक बार फिर क्रिकेट के रोमांच से सराबोर होने जा रही है। शहर में 14 नवंबर से सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी का आगाज होगा। टूर्नामेंट को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है।

2027 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया की तैयारी पर सवाल, गंभीर के प्रयोग कहीं भारी तो नहीं पड़ रहे?



न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में भारत 244 रन से हारा। इस हार ने गौतम गंभीर की प्रयोग नीति, टीम संयोजन और विदेशी पिचों पर बल्लेबाजी की कमजोरियों पर सवाल खड़े किए। न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे में भारत को 244 रन से हराया। भारत की पूरी टीम 89 रन पर सिमट गई। विल यंग के दो कैच छूटने के बाद उन्होंने 125 रन की पारी खेली। मैट हेनरी ने 6 विकेट झटके। 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया के संयोजन, तेज गेंदबाजी के खिलाफ बल्लेबाजी और फील्डिंग पर सवाल उठे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में भारत को मिली 244 रनों की ऐतिहासिक हार ने सिर्फ एक मैच का नतीजा नहीं बदला है, बल्कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों की पोल भी खोल दी है। वनडे इतिहास में रनों के लिहाज से अपनी दूसरी सबसे बड़ी हार झेलने के बाद अब हेड कोच गौतम गंभीर की 'एक्सपेरिमेंट पॉलिसी' और विदेशी पिचों पर टीम की बुनियादी कमजोरियों पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। भारत पांच मैचों की सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है। हालांकि, आखिरी मुकाबले में जीत हासिल कर न्यूजीलैंड सीरीज को 2-2 से बराबर कर सकता है। ऐसे में चौथे वनडे की हार के बाद भारतीय टीम के सामने वापसी की चुनौती होगी। महज दो ओवर में बदल गया मैच माउंट मनगनुई वनडे में दो अहम मौकों ने भारत की मुश्किलें बढ़ा दीं। एक तरफ फील्डिंग के दौरान मिले कैच के मौके गंवाए गए, तो दूसरी ओर लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टॉप ऑर्डर मैट हेनरी की स्विंग और उछाल के सामने टिक नहीं सका। 1. एक ओवर में दो कैच छूटे न्यूजीलैंड की पारी के दूसरे ओवर में युवा गेंदबाज आकिब नबी ने लगातार दो गेंदों पर विल यंग के बल्ले का बाहरी किनारा निकलवाया।

जेनसन हुआंग की जगह कौन बनेगा एनवीडिया का नया बॉस? 11 दिग्गजों की रेस में 3 भारतीय भी शामिल

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद कंपनी के नए बॉस की तलाश शुरू हो गई है। 11 दिग्गजों की दौड़ में 3 भारतीय भी शामिल हैं। जानें कौन-कौन दावेदार। एनवीडिया ने अपने लंबे समय से सीईओ रहे जेनसन हुआंग के स्थायी उत्तराधिकारी की खोज शुरू कर दी है। जेनसेन हुआंग ने विवाहेतर संबंधों से जुड़ी खबरों की जांच के चलते अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस हालिया घटना ने दिग्गज चिप मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। एनवीडिया ने अपने लंबे समय से सीईओ रहे जेनसन हुआंग के स्थायी उत्तराधिकारी की खोज शुरू कर दी है। हुआंग ने विवाहेतर संबंधों (extramarital affairs) से जुड़ी खबरों की जांच के चलते इस्तीफा दे दिया है। इस घटना ने चिप मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। कंपनी ने बताया है कि उसका बोर्ड कंपनी के भीतर या बाहर किसी भी ऐसे उम्मीदवार पर विचार करने को तैयार है, जो उस व्यक्ति की जगह ले सके जिसने एनवीडिया को एआई क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति बनाया। कौन होगा हुआंग का उत्तराधिकारी? हुआंग के पद छोड़ने के बाद एनवीडिया ने सीएफओ कोलेट क्रेस्स को अंतरिम सीईओ के रूप में नियुक्त किया है। इसी दौरान कंपनी का बोर्ड अन्य उम्मीदवारों पर विचार कर रहा है, जिनमें तीन



भारतीय मूल के उम्मीदवार शामिल हैं। एनवीडिया के नए सीईओ के रेस में किस-किस का नाम शामिल? आइए जानते हैं। संजय मेहरोत्रा के नाम पर चर्चा मेमोरी चिप निर्माता कंपनी माइक्रोन के सीईओ संजय मेहरोत्रा के पास 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने एनवीडिया, जो माइक्रोन के उत्पादों का उपयोग करती है, के साथ सहयोग किया है। वह एनवीडिया के शीर्ष पद के संभावित उम्मीदवारों में शामिल हैं। मेहरोत्रा 2017 से अमेरिका की प्रमुख मेमोरी चिप निर्माता कंपनी के प्रमुख हैं। उन्होंने इस कंपनी को एआई सिस्टम के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बनाने में मुख्य भूमिका निभाई है। निकेश अरोड़ा का भी रेस में नाम पालो ऑल्टो नेटवर्क्स के सीईओ निकेश अरोड़ा को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, निवेशकों ने उनका नाम सुझाया है। अरोड़ा 2018 से पालो ऑल्टो नेटवर्क्स का नेतृत्व कर रहे हैं और उन्होंने एआई-आधारित साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कंपनी के विस्तार को आगे बढ़ाया है। उनकी आधिकारिक जीवनी के मुताबिक, वे पहले सॉफ्टबैंक में प्रेसिडेंट और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे और उन्होंने गूगल में भी दस वर्षों तक काम किया है। थॉमस कुरियन को भी मिल सकती है जिम्मेदारी एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन को एनवीडिया के उच्च पद के लिए भी चुना जा सकता है। गूगल में कुरियन क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर और एआई सेवाओं का प्रबंधन करते हैं। इससे उन्हें प्रमुख ग्राहकों और एनवीडिया के व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण तकनीक के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त हुआ है। लेकिन, उनके रिज्यूमे में चिप डिजाइन का अनुभव नहीं है। कोलेट क्रेस्स भी संभावित उम्मीदवार रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एनवीडिया की वरिष्ठ अधिकारी क्रेस्स इस प्रमुख पद के लिए एक संभावित उम्मीदवार हैं।

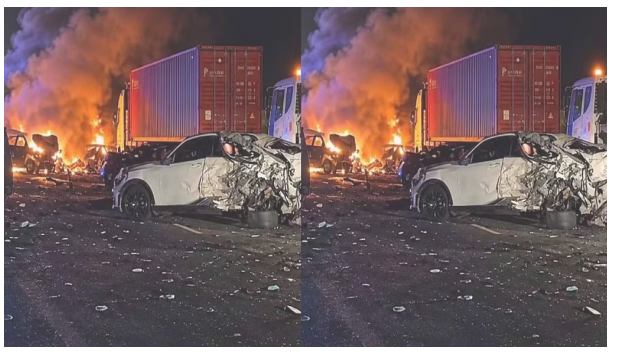
दुनियाभर में Microsoft, Outlook और Teams की सेवाएं फिर से बहाल, करीब 7 घंटे से था सर्वर डाउन



माइक्रोसॉफ्ट 365, आउटलुक, टीम्स और कंपनी के अन्य ऐप्स में करीब 7 घंटे से सर्वर डाउन की समस्या आ रही थी जो अब ठीक हो गई है। सर्वर डाउन की वजह से यूजरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। Microsoft, Outlook और Teams की सेवाएं फिर से बहाल करीब 7 घंटे से था तीनों का सर्वर डाउन सर्वर डाउन के कारण AI कंपनियों पर भी असर पड़ा माइक्रोसॉफ्ट की सभी सेवाएं बहाल हो गई हैं। इससे पहले इसकी प्रमुख सेवाएं माइक्रोसॉफ्ट 365, आउटलुक, टीम्स और कंपनी के अन्य ऐप्स काम नहीं कर रहे थे। इस बड़े आउटेज का असर ओपन एआई और एंथ्रोपिक की एआई सेवाओं में इस्तेमाल होने वाले माइक्रोसॉफ्ट कनेक्टर्स पर भी पड़ा था। माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, कुछ सर्वर को वापस चालू किया गया है। सर्वर में रुकावट न आए, इसके लिए ट्रैफिक को दूसरे रास्तों पर भेजा जा रहा है। माइक्रोसॉफ्ट ने एक अपडेट में कहा है कि हम प्रभावित सर्वर के एक हिस्से को वापस चालू कर रहे हैं और वे अभी तक स्थिर हैं। भारतीय समय के मुताबिक, सुबह 6:30 बजे वे प्रभावित सर्वरों को फिर से बहाल करने का प्रयास कर रहे थे। सीमित रिकवरी के कारण सेवाएं उस वक्त बहाल नहीं की जा सकी। माइक्रोसॉफ्ट ने दी है ये चेतावनी इस दौरान माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन ऐप्स के सर्वर को वापस बहाल किया गया है उन पर ट्रैफिक लोड ज्यादा होने पर वे दोबारा काम करना बंद कर सकते हैं। डाउनडिटेक्टर के अनुसार, आउटलुक संबंधी शिकायतें रात करीब 11:30 बजे पर 1,38,058 आई थी, जो शाम तक घटकर करीब 34,490 रह गईं। आखिर क्यों हुआ माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर डाउन माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के मुताबिक, Microsoft, Outlook ऐप और Teams का सर्वर डाउन होने का कारण बढ़ा हुआ लोड था, न कि ट्रैफिक में वृद्धि।

UAE में 23 वाहनों में लगी भीषण आग, भारतीय समेत 14 लोगों की मौत, 30 घायल

UAE के फुजैराह में 23 वाहनों की टक्कर के बाद भीषण आग से 14 लोगों की मौत और 30 घायल हुए। हादसे में कितने भारतीय प्रभावित हुए और जांच में क्या सामने आया? फुजैराह में अनियंत्रित ट्रक ने 23 वाहनों को मारी टक्कर, भीषण आग में 14 लोगों की मौत और 30 घायल। हादसे में भारत समेत सात देशों के नागरिक प्रभावित, 15 घायलों को अस्पताल से मिली छुट्टी। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पीड़ित परिवारों से किया संपर्क, ट्रक के अनियंत्रित होने की वजह की जांच जारी। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के फुजैराह में देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ। एक भारी ट्रक के अनियंत्रित होने से 23 वाहन आपस में टकरा गए। इस भीषण दुर्घटना में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। हादसे में भारतीय नागरिक भी मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। UAE के अधिकारियों



ने इसकी पुष्टि की है। UAE के गृह मंत्रालय ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में बताया कि हादसा आधी रात से कुछ समय पहले फुजैराह के प्रवेश द्वार के पास शेख खलीफा बिन जायद स्ट्रीट पर हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक पहले एक अन्य वाहन से टकराया और फिर पलटकर धीमी रफ्तार से चल रहे ट्रैफिक में खड़े कई वाहनों से जा भिड़ा। ट्रक में लगी आग, कई गाड़ियां जलकर खाक टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक में आग लग गई। देखते ही देखते आग आसपास के कई वाहनों में फैल गई और कई कारें इसकी चपेट में आ गईं। हादसे में 14 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। आग इतनी भीषण थी कि कई मृतकों की पहचान करना मुश्किल हो गया। ऐसे में पुलिस विशेषज्ञों की मदद से DNA टेस्ट कराकर शवों की पहचान की जा रही है।

मुस्लिम देश में छठ पूजा कैसे मनाई जाती है? आधा भारत नहीं जानता



मुस्लिम देश में छठ पूजा कैसे मनाई जाती है? जानिए दुबई में 2015 और अबू धाबी में 2017 में कैसे शुरू हुई छठ महापर्व की परंपरा? दुबई में किस परिवार ने जुमेराह बीच पर पहली बार छठ पूजा की थी। दुबई, शारजाह और अजमान के समुद्र तटों पर कैसे मनाया जाता है छठ। छठ पूजा भारत के सबसे प्रमुख हिंदू त्योहारों में से एक है। यह पर्व भगवान सूर्य और छठी मैया को समर्पित है।

बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड समेत देश के कई राज्यों में इसे बड़े उत्साह और आस्था के साथ मनाया जाता है। हालांकि, छठ की परंपरा अब भारत की सीमाओं तक ही सीमित नहीं है।

डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में 4,83,200 लोगों का अमेरिका से डिपोर्ट, टूटा 23 साल का रिकॉर्ड

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बनने के बाद से 23 साल का रिकॉर्ड ब्रेक हो गया। बता दें कि एक साल के अंदर 4.83 लाख प्रवासी अमेरिका से डिपोर्ट हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने तोड़ा 23 साल का रिकॉर्ड ट्रंप के शासनकाल में सबसे ज्यादा लोगों का डिपोर्ट कुल 4,83,200 लोगों को देश से डिपोर्ट किया गया इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट यानी ICE ने वित्त वर्ष 2026 में 4,83,200 लोगों को डिपोर्ट किया है जो पिछले सालों की तुलना में सबसे ज्यादा है। कहा जा सकता है कि अमेरिका में पिछले 23 सालों में सबसे ज्यादा ये आंकड़ा है जब इतनी बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार कर देश से डिपोर्ट किया गया। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग



यानी DHS ने ये जानकारी साझा करते हुए बताया कि इसी कारण पिछले हफ्ते हुए मिडटर्म इलेक्शन में डोनाल्ड ट्रंप हार गए और डेमोक्रेट्स को भारी जीत मिली। डोनाल्ड ट्रंप ने 23 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा 30 सिंतबर को खत्म हुए वित्त वर्ष में कुल 4,83,200 लोगों को देश से डिपोर्ट किया गया था। ये आंकड़ा साल 2014 के बाद से लेकर अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। बता दें कि उस वक्त पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में 4,05,090 लोगों को डिपोर्ट किया गया था। इस साल 2026 के ये आंकड़े पिछले साल के 4,42,640 के रिकॉर्ड से 9% ज्यादा हैं। दूसरी तरफ, जो बाइडन के कार्यकाल के आखिरी साल यानी 2024 में 2,71,480 के मुकाबले इनमें 78% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऐसे पड़ा अमेरिकी चुनावों पर असर डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे बुरे अपराधियों को निशाना बनाने का वादा किया था। लेकिन, डिपोर्टेशन डेटा की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई में निकाले गए लोगों में से सिर्फ एक तिहाई ही अपराधी बताए जा रहे हैं। इस दौरान मिनियापोलिस में भारी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। इसके बाद प्रशासन ने सार्वजनिक अभियानों के बजाय गुपचुप तरीके से छापेमारी शुरू की। जिसके सीधा सर पिछले हफ्ते हुए अमेरिकी चुनाव में दिखा है।

मराठी मानुष बीजेपी के जाल में न

गया जहरीला सोशल मीडिया इकोसिस्टम, इस समय 'छठ पूजा' के मुद्दे का इस्तेमाल करके महाराष्ट्र के मुंबई में टकराव पैदा करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए, वे सोशल मीडिया पर ऐसी रील्स फैला रहे हैं जिनमें पूजा-पाठ के रीति-रिवाजों को दिखाया गया है और उन्हें एक सांस्कृतिक घुसपैठ के रूप में पेश किया जा रहा है। इतना ही नहीं, उन्होंने मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी संगीत बजाने की भी कोशिश की, जिसे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने तुरंत रुकवा दिया। ज ठाकरे ने मुंबई में छठ पूजा विवाद को लेकर बीजेपी पर हमला बोला। राज ठाकरे ने कहा कि बीजेपी छठ पूजा के नाम पर टकराव पैदा करना चाहती है। राज ठाकरे ने मराठी मानुष से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं यूपी चुनाव को लेकर बीजेपी की चालः राज ठाकरे राज ठाकरे ने आगे लिखा कि फिर भी, BJP हताश है क्योंकि वे जिस टकराव को पैदा करना चाहते थे, वह हो नहीं पाया। यह सारी अफरा-तफरी उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर रची जा रही है। राज ठाकरे ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ऐसा लगता है कि BJP के 'थिंक टैंक' की बौद्धिक क्षमता कम हो गई है। चुनाव जीतने के लिए वे सालों से जिस बांटो और राज करो की रणनीति का इस्तेमाल करते आ रहे हैं, वह अब काम नहीं कर रही है। जब भी लोकसभा चुनाव नजदीक आते हैं, तो वे हिंदू-मुस्लिम तनाव भड़काते हैं; वे सार्वजनिक मैदानों और पार्कों में बुर्का पहने महिलाओं को घुमाते हैं, ताकि लोगों को डराया जा सके और उन्हें यह लगे कि 'दूसरे पक्ष' ने अब उनकी जगहों पर कब्जा कर लिया है। जाति के नाम पर नफरत के बीज बोती है भाजपा मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने लिखा कि सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो भरे पड़े हैं जो अक्सर पहले से तय होते हैं, जिनमें पुरुषों सहित कई लोगों को बुर्का पहने दिखाया जाता है, ताकि डर का माहौल बनाया जा सके। जब राज्य-स्तरीय चुनाव नजदीक आते हैं, तो वे जाति-आधारित नफरत के बीज बोते हैं। भा राज ठाकरे बोले- BJP ने देश को बर्बाद कर दिया मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि BJP ने देश को बर्बाद कर दिया है, और उस सामाजिक सद्भाव और सहनशीलता को नष्ट कर दिया है जो कभी हुआ करती थी। महाराष्ट्र में भी यही हो रहा है। केंद्र के इशारे पर, वे महाराष्ट्र को एक-एक करके एक उद्योगपति और उसके करीबी लोगों को बेच रहे हैं, और राज्य को हर तरफ से खोखला कर रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने सह्याद्रि पर्वत श्रृंखला को भी खोखला करना शुरू कर दिया है, वही जमीन जहां कभी हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके वफादार योद्धा रहते थे। जंगलों को सौंपा जा रहा है, जमीनों को दूसरों के नाम किया जा रहा है। जिस भी चीज पर उद्योगपति की नजर पड़ती है, वह उसे भेंट कर दी जाती महाराष्ट्र में जिस भी चीज पर उस उद्योगपति की नजर पड़ती है, वह उसे भेंट कर दी जाती है। फिर भी, हम मानो बेखबर बैठे हैं। मैंने अक्सर कहा है कि मैंने मराठी समाज जितना असावधान समाज कहीं और नहीं देखा। एक ऐसा समाज जो किसी घटना पर तो जाग जाता है, लेकिन फिर तुरंत गहरी नींद में सो जाता है और एक-दो दिन में सब कुछ भूल जाता है। मराठी लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि उनके आस-पास क्या हो रहा है। हमें सही समय पर अपना गुस्सा जाहिर करना चाहिए; तभी हमें छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम लेने का अधिकार मिलेगा। जपा ने गुजराती बनाम मराठी का विवाद खड़ा किया राज ठाकरे ने बताया कि पिछले साल बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव जीतने के लिए, उन्होंने कबूतरों को दाना खिलाने (कबूतरखाना) के मुद्दे को लेकर 'गुजराती बनाम मराठी' का विवाद खड़ा कर दिया था। मैंने अपने भाषणों में कई बार कहा है कि BJP अपने असली कामकाज के दम पर चुनाव नहीं जीत सकती; इसके बजाय, वे अलग-अलग समूहों के बीच टकराव पैदा करते हैं और उन झड़पों में बहने वाले खून के सहारे जीत हासिल करते हैं। बेशक, यह काफी हद तक एक दिखावा ही है, क्योंकि असली काम तो चुनाव आयोग करता है। लेकिन इससे उन्हें एक ऐसा नैरेटिव मिल जाता है, जिससे वे समझा सकें कि उन्होंने अपनी जीत कैसे हासिल की। राज ठाकरे ने कहा कि Gen Z आंदोलन से प्रेरित होकर केंद्र और राज्यों, दोनों ही स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बाहर करने का सफर शुरू हो चुका है। ऐसा जल्द ही होकर रहेगा। इस बात ने BJP और उनके आकाओं को पूरी तरह से हिला कर रख दिया है। उन्हें डर है कि एक बार सत्ता से बाहर होने पर, पिछले 12 से 14 वर्षों में उन्होंने जो कुछ भी किया है, उसके साये उनका पीछा करने लगेंगे। खैर, जो उनके भाग्य में लिखा है, वह तो होकर ही रहेगा। राज ठाकरे ने मराठी लोगों से की ये अपील राज ठाकरे ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में अपील करते हुए लिखा कि मैं मराठी लोगों से अपील करता हूं, हमें उनके चुने हुए मैदान पर लड़ने की कोई जरूरत नहीं है। यह महाराष्ट्र का तरीका नहीं है। वे भले ही छत्रपति शिवाजी महाराज की छापामार युद्ध की रणनीति को भूल गए हों, लेकिन हमें इसे याद रखना चाहिए। हम तय करेंगे कि इन रणनीतियों का इस्तेमाल करके कब और कैसे जवाब देना है। हमें उनके द्वारा अपने स्वार्थ के लिए बिछाए गए जाल में नहीं फंसना चाहिए।

सूखे के संकट में भी जलती रही

शैक्षणिक शुल्क में छूट, पीने के पानी और पशुओं के चारे की व्यवस्था तथा पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान कर्जमुक्ति योजना जैसे उपायों के माध्यम से किसानों को राहत देने का प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किसान के घर मनाई दिवाली प्रशासन की संवेदनशीलता तब देखने को मिली, जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर जिले के नरखेड़ तालुका स्थित लोहारी सावंगा गांव में किसान रामभाऊ बालपांडे के घर पहुंचकर उनके साथ दिवाली मनाई। राज्य का मुख्यमंत्री जब किसी किसान के साधारण घर में पहुंचकर जमीन पर बैठकर उसका दुख-दर्द समझता है, तो यह परिवार के लिए भावुक कर देने वाला क्षण होता है। मुख्यमंत्री ने बालपांडे परिवार के साथ घर का भोजन किया और खेती की वर्तमान स्थिति, ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की कमी तथा किसानों के सामने मौजूद आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान प्रशासन को किसानों के दरवाजे तक पहुंचाने की दिशा में खेतों में बोरवेल खोदने पर लगे प्रतिबंधों में 15 दिसंबर तक छूट देने की महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई। "किसानों को कभी बेसहारा नहीं छोड़ेंगे" – उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दूसरी ओर, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी जालना तालुका के भिलपुरी गांव पहुंचकर सूखा प्रभावित किसान अंबादास तांगडे के घर दिवाली मनाई। केवल एक एकड़ वर्षा आधारित खेती के सहारे परिवार का पालन-पोषण करने वाले तांगडे के घर पहुंचकर उपमुख्यमंत्री ने परिवार की परिस्थितियों को करीब से समझा। उन्होंने परिवार के साथ साधारण घरेलू भोजन किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भरोसा दिलाया कि सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और किसी भी परिस्थिति में किसानों को बेसहारा नहीं छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के अलावा मंत्रिमंडल के अन्य मंत्रियों तथा पालकमंत्रियों ने भी अपने-अपने जिलों के दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों के साथ दिवाली मनाई। सूखा केवल खेती का नहीं, पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का संकट यह समझना जरूरी है कि सूखा केवल खेतों की जमीन में पड़ने वाली दरारों का मामला नहीं है। इसका सीधा असर किसान परिवारों के बच्चों की शिक्षा, बुजुर्ग माता-पिता के स्वास्थ्य, बेटियों की शादी और पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इसलिए ऐसे गंभीर संकट के समय आर्थिक सहायता के साथ सामाजिक और भावनात्मक सहयोग भी बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। किसानों से सीधे संवाद करने और उनकी वास्तविक परिस्थितियों को समझने से भविष्य की योजनाएं तैयार करने में भी मदद मिल सकती है। जल संरक्षण, सिंचाई, पानी का भंडारण और टिकाऊ खेती के लिए नई योजनाएं तैयार करने की दिशा में ऐसे दौरे प्रशासन के लिए मार्गदर्शक साबित हो सकते हैं। किसानों के जीवन में उम्मीद की लौ जलाने का प्रयास किसानों के बैंक खातों में सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाना प्रशासनिक जिम्मेदारी है, लेकिन उनके घर जाकर उनके साथ बैठना, भोजन करना और उनकी परेशानियों को समझना इंसानियत और संवेदनशीलता का प्रतीक है। जब आर्थिक मदद और मानवीय संवेदना एक साथ दिखाई देती हैं, तभी वास्तव में संवेदनशील शासन की तस्वीर सामने आती है। दिवाली के इस पावन अवसर पर सूखे से प्रभावित किसान परिवारों के जीवन में उम्मीद का दीप जलाने का यह प्रयास सराहनीय है। किसानों की पीठ पर भरोसे का हाथ और उनकी आंखों में उम्मीद की चमक ही सूखे के संकट के बीच संवेदनशील प्रशासन के मानवीय चेहरे की असली पहचान है। मनोज सुमन शिवाजी सानप जिला सूचना अधिकारी ठाणे / रायगढ़

महाराष्ट्र मंत्रालय की कैंटीन

खाद्य पदार्थों की जगह स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर विकल्प देने की पहल की गई है। इससे पहले मंत्रिमंडल ने सरकारी बैठकों और कैबिनेट की बैठकों में बटाटे वड़े, भजी और समोसे जैसे तले हुए खाद्य पदार्थ नहीं परोसने के निर्देश दिए थे। इसके अलावा चाय-कॉफी के विकल्प के रूप में लेमन टी और ग्रीन टी उपलब्ध कराने का फैसला भी लिया गया था। इडली और डोसा की कई वैरायटी भी मिलेंगी दक्षिण भारतीय व्यंजनों में पालक इडली, वेज इडली, पौष्टिक इडली, मूंग इडली और साधारण इडली को शामिल किया गया है। इसके अलावा ओनियन उत्तपम, पेपर डोसा और मसाला डोसा भी मेन्यू का हिस्सा होंगे। अन्य विकल्पों में बीट कबाब, वेज मंचाव सूप और हरा भरा कबाब जैसे व्यंजन शामिल हैं। इस बदलाव के जरिए कैंटीन में क्षेत्रीय व्यंजनों के साथ पौष्टिक भोजन के विकल्प बढ़ाने की कोशिश की गई है। हालांकि, कांदे पोहे जैसे स्थानीय लोकप्रिय नाश्ते को शामिल नहीं किए जाने का मुद्दा भी नए मेन्यू के साथ चर्चा में है।

मुंबई में दिवाली पर पटाखे फोड़ने

फोड़ने वालों के खिलाफ मुंबई पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। 5 से 11 नवंबर के बीच प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के आरोप में कुल 82 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि 110 लोगों को नोटिस जारी किए गए। कार्रवाई के दायरे में कारोबारी, रियल एस्टेट डेवलपर, डॉक्टर, केमिस्ट, विद्यार्थी, मजदूर, ड्राइवर और बुजुर्ग समेत विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। मालाबार हिल में सबसे ज्यादा 16 मामले दर्ज पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा 16 मामले मालाबार हिल पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए। इसके बाद पवई में 11, गामदेवी में 7 और धारावी में 6 एफआईआर दर्ज हुईं। माहिम और शिवाजी पार्क में 5-5, जबकि बांद्रा और कुरार में 4-4 मामले सामने आए। इसके अलावा बांगुर नगर, गोरेगांव, पंत नगर और विक्रोली में 3-3 मामले दर्ज किए गए। दादर, सहार और शाहू नगर में 2-2 तथा आजाद मैदान, कालाचौकी, मानखुर्द, एमआरए मार्ग, एमआईडीसी और नेहरू नगर में एक-एक एफआईआर दर्ज की गई। बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई यह कार्रवाई सितंबर में बॉम्बे हाई कोर्ट की ओर से जारी आदेश के तहत की जा रही है। आदेश के अनुसार, 6 अक्टूबर से 4 दिसंबर तक सार्वजनिक सड़कों, रास्तों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे, आतिशबाजी, रॉकेट, लेजर लाइट और हाई-इंटेंसिटी बीम के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। मुंबई पुलिस और बीएमसी मिलकर इस आदेश को लागू कर रहे हैं। रॉकेट और हवाई पटाखों पर भी रोक मुंबई बीएमसी और मुंबई डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने 9 से 25 नवंबर तक शहर में रॉकेट और हवाई पटाखों के इस्तेमाल पर अलग से प्रतिबंध लगाया है। डीसीपी (ऑपरेशंस) अकबर पठान के मुताबिक, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। पुलिस आयुक्त के आदेश में जुलूसों के दौरान लाउडस्पीकर, साउंड एम्प्लीफायर, म्यूजिक बैंड और हवाई पटाखों के इस्तेमाल पर भी पाबंदी है। रॉकेट से गाड़ियों और इमारत को पहुंचा नुकसान आजाद मैदान पुलिस ने कालबादेवी में तीन रॉकेट फोड़ने के आरोप में ड्राइवर अविनाश साहा (34) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस के अनुसार, रॉकेट गुजरती गाड़ियों और एक इमारत की दीवार से टकराए। वहीं, बांद्रा में चेतावनी के बावजूद पटाखे फोड़ने के आरोप में पुष्कराज सिंह (24) के खिलाफ कार्रवाई हुई। मालाबार हिल में केमिस्ट जितेंद्र यादव (25) और पवई में छात्र श्रेयस किरकर (19) को भी प्रतिबंधों के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

पृष्ठ 1/8 का शेष

महाराष्ट्र में बढ़ेगी ठंड या होगी

डिप्रेशन और 16 नवंबर की शाम तक मध्य बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। लगातार तीसरे संभावित तूफान की आहट के बीच महाराष्ट्र में भी यह सवाल उठ रहा है कि क्या मुंबई, कोंकण और राज्य के दूसरे हिस्सों में इसका असर देखने को मिलेगा? फिलहाल राज्य में ठंड बढ़ रही है, मगर चक्रवात के चलते बादल और बारिश के भी आसार हो सकते हैं। 15 नवंबर को डिप्रेशन, 16 नवंबर को चक्रवात बनने की संभावना IMD के मुताबिक, मध्य अंडमान सागर और आसपास के क्षेत्रों में बने ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से 13 नवंबर की सुबह दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना। इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। 14 नवंबर को यह और स्पष्ट होकर वेल मार्क्ड लो प्रेशर एरिया बनेगा। इसके बाद 15 नवंबर की सुबह तक डिप्रेशन में बदल सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इसके बाद सिस्टम उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा और 16 नवंबर की शाम तक मध्य बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। हालांकि, इसके आगे की दिशा, तीव्रता और संभावित लैंडफॉल को लेकर अलग-अलग मौसम मॉडल में एकराय नहीं है। इसलिए अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि तूफान किस तट की ओर बढ़ेगा। अर्नब और मूरासू के बाद तीसरे तूफान की आहट बंगाल की खाड़ी में यह नया सिस्टम ऐसे समय विकसित हो रहा है, जब अक्टूबर के आखिरी सप्ताह और नवंबर की शुरुआत में दो चक्रवात आंध्र प्रदेश के तट से टकरा चुके हैं। अर्नब 28 अक्टूबर को नरसापुर के पास बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में तट से टकराया था। इसके बाद मूरासू 3 नवंबर की सुबह नेल्लोर और नरसापुर के बीच ओंगोल के करीब दक्षिण आंध्र प्रदेश तट से गुजरा था। मूरासू के अवशेषों के कारण 5 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई थी। महाराष्ट्र पर क्या पड़ेगा असर? महाराष्ट्र राज्य के लिए फिलहाल राहत की बात यह है कि IMD के 13 नवंबर को जारी उप-मंडलवार मौसम अलर्ट में कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा तथा विदर्भ के लिए 19 नवंबर तक कोई चेतावनी दर्ज नहीं की गई है। मुंबई के लिए जारी स्थानीय पूर्वानुमान में भी 14 से 19 नवंबर तक साफ आसमान और किसी मौसम चेतावनी का उल्लेख नहीं है। IMD के 12 नवंबर के विस्तारित पूर्वानुमान में भी पश्चिम, मध्य और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में सप्ताह के दौरान किसी महत्वपूर्ण मौसमी गतिविधि की संभावना नहीं जताई गई थी। दूसरी ओर, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु और केरल के कुछ हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है। इसका मतलब है कि फिलहाल महाराष्ट्र में इस सिस्टम के कारण भारी बारिश या चक्रवात जैसी स्थिति का कोई आधिकारिक संकेत नहीं है। हालांकि, यदि सिस्टम की दिशा या तीव्रता में बदलाव होता है तो आगे के पूर्वानुमान में भी बदलाव संभव है। रासू-अर्नब के बाद बंगाल की खाड़ी में नया चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में उठ रहें संभावित चक्रवात से फिलहाल महाराष्ट्र को खतरा नहीं है। यदि चक्रवात बनता है, तो महाराष्ट्र की ठंड में बारिश का तड़का लग सकता है। अरब सागर में फिलहाल चक्रवात की संभावना नहीं IMD के 13 नवंबर के ट्रॉपिकल वेदर आउटलुक के अनुसार, अरब सागर में भी पूर्वी-मध्य हिस्से और लक्षद्वीप के उत्तरी क्षेत्रों के पास ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। लेकिन अगले 168 घंटों में वहां डिप्रेशन बनने की संभावना शून्य बताई गई है। यानी महाराष्ट्र के पश्चिमी तट के सामने अरब सागर में फिलहाल किसी नए चक्रवात के विकसित होने का अनुमान नहीं है। मौसम मॉडल में लैंडफॉल को लेकर मतभेद मौसम विभाग के बुलेटिन में बताया गया है कि कई मॉडल सिस्टम के उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने के बाद उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे जाने का संकेत दे रहे हैं। कुछ मॉडल इसे उत्तर आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ता दिखा रहे हैं, जबकि IMD GFS और CMC जैसे मॉडल अलग संकेत दे रहे हैं। इसलिए संभावित लैंडफॉल की जगह अभी स्पष्ट नहीं है। IMD ने भी आगे की दिशा और तीव्रता को लेकर मॉडल के अनुमानों में अंतर स्वीकार किया है। फिलहाल बंगाल की खाड़ी में बन रहा सिस्टम मौसम विभाग की निगरानी में है। अगले 48 से 72 घंटे इसके रास्ते और ताकत के लिहाज से महत्वपूर्ण होंगे। महाराष्ट्र में अभी किसी चक्रवाती खतरे का अलर्ट नहीं है, लेकिन तटीय इलाकों के मौसम पर नजर बनाए रखना जरूरी होगा। महाराष्ट्र पर क्या पड़ेगा असर? फिलहाल भले ही महाराष्ट्र को इस तूफान से कोई अलर्ट या खतरा न हो, पर जल्द ही यह साफ होगा कि चक्रवात रूप लेता है या नहीं। यदि चक्रवात बनता है, तो निश्चित ही महाराष्ट्र की धीरे-धीरे बढ़ती ठंड में अचानक बादल और बारिश से भरे मौसम का तड़का लग सकता है।

मुंबई के KEM अस्पताल में बदहाल

में ही मंजूर कर लिया गया था, तो तीन साल बीतने के बाद भी काम पूरा क्यों नहीं हुआ? श्रद्धा जाधव ने कहा कि अस्पतालों में मशीनों और सुविधाओं का नियमित रखरखाव होना चाहिए।

उन्होंने लिफ्टमैन, वार्ड बॉय और ठेके पर रखे गए कर्मचारियों की जिम्मेदारियों को लेकर भी सवाल उठाए। मनसे गुटनेता यशवंत किल्लेदार ने भी अस्पताल की 11 में से केवल पांच लिफ्ट चालू होने पर चिंता जताई। एमआईएम के जमीर कुरेशी ने भी अस्पतालों की सुविधाओं को लेकर प्रशासन से जवाब मांगा।

सूखे के संकट में भी जलती रही इंसानियत की लौ, संवेदनशील प्रशासन का दिखा मानवीय चेहरा

ठाणे, (सिटी न्यूज़ मुंबई)
दिवाली खुशियों, उमंग और रोशनी का त्योहार है। घरों में दीपों की सजावट, मिठाइयों की खुशबू और परिवार के साथ खुशियां मनाने का माहौल रहता है। लेकिन जब प्रकृति की मार से महाराष्ट्र के किसानों की खेती और उनके जीवन पर सूखे का संकट छा जाता है, तब त्योहारों की खुशियां भी फीकी पड़ जाती हैं। अनियमित बारिश, सूखती फसलें, पीने के पानी के लिए भटकते ग्रामीण और सामने खड़ा आर्थिक संकट... आज ग्रामीण महाराष्ट्र के अनेक किसान परिवार ऐसी ही कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। ऐसे मुश्किल समय में राज्य सरकार ने केवल सरकारी घोषणाओं और आर्थिक सहायता के आंकड़ों तक अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखी, बल्कि प्रशासन की संवेदनशीलता दिखाते हुए राज्य का नेतृत्व सीधे किसानों के खेतों और उनके घरों तक पहुंचा। एक ओर किसानों के बैंक खातों में आर्थिक सहायता जमा की गई, तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने स्वयं सूखा प्रभावित किसानों के घर पहुंचकर उनके साथ दिवाली मनाई। इन प्रयासों से शासन का



एक संवेदनशील और मानवीय चेहरा सामने आया है। आश्वासनों से आगे बढ़कर किसानों के घर पहुंची सरकार मंत्रियों के दौरे कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन इस बार के दौरे केवल विकास कार्यों की समीक्षा या वातानुकूलित कमरों में बैठकों तक सीमित नहीं रहे। मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सदस्यों ने सरकारी औपचारिकताओं से आगे बढ़कर किसानों की झोपड़ियों और घरों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया। संकट में फंसे व्यक्ति को आर्थिक मदद के साथ मानसिक सहारे की भी जरूरत होती है। उसे यह भरोसा चाहिए कि कोई उसकी तकलीफ समझ रहा है और वह अकेला नहीं है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने ग्रामीण महाराष्ट्र के अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों को यही भरोसा दिलाने का प्रयास किया। आर्थिक सहायता के साथ प्रशासनिक तत्परता सरकार की यह पहल केवल भावनात्मक सांत्वना तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसके साथ आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई। सूखा प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने के लिए राज्य सरकार ने पात्र किसानों को प्रति किसान 5,000 रुपये की अग्रिम सहायता देने का निर्णय लिया। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के माध्यम से यह राशि किसानों के बैंक खातों में जमा की जा रही है। 5 नवंबर तक राज्य के कुल 87 लाख 45 हजार 669 किसानों के बैंक खातों में 4,372 करोड़ 83 लाख रुपये की सहायता जमा की जा चुकी थी। इसके साथ ही केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त 30 अक्टूबर को वितरित की गई। इसके तहत देश के 9 करोड़ 34 लाख पात्र किसान परिवारों के खातों में 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा की गई। इन दोनों आर्थिक सहायता योजनाओं से किसानों को राहत मिली है। इसके अलावा फसल ऋण का पुनर्गठन, कर्ज वसूली पर रोक,...शेष 7 पर

महाराष्ट्र में साइबर ठगी का बड़ा खुलासा, 8 महीने में 2,119 करोड़ रुपये की चपत; रोजाना 8.72 करोड़ की लूट



महाराष्ट्र में 8 महीनों में साइबर फ्रॉड के 2.08 लाख मामले दर्ज, 2,119 करोड़ रुपये की ठगी। पुलिस ने जारी की सुरक्षा सलाह। महाराष्ट्र में 2026 के पहले 8 महीनों में साइबर ठगी के 2.08 लाख से अधिक मामले। ठगों ने 2,119 करोड़ रुपये लूटे, सिर्फ 27.71% रकम ही फ्रीज या वापस हुई। साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करने की पुलिस की अपील। महाराष्ट्र में साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। राज्य में ऑनलाइन ठगी की रफ्तार चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुकी है। राज्य साइबर पुलिस के ताजा आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों (31 अगस्त तक) में साइबर फ्रॉड के कुल 2,08,767 मामले सामने आए हैं। इन मामलों में नागरिकों को कुल 2,119.69 करोड़ रुपये का बड़ा चूना लगा है। यानी इस अवधि के दौरान हर दिन औसतन 8.72 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि ठगों के हाथों में चली गई। इस भयंकर वित्तीय संकट के बीच पुलिस और जांच एजेंसियों का दखल नाकाफी साबित हो रहा है।

बोरीवली भगवती अस्पताल के निजीकरण पर गरमाई सियासत, कांग्रेस ने BMC के टेंडर को रद्द करने की उठाई मांग

मुंबई के बोरीवली स्थित 490 बेड वाले भगवती अस्पताल को निजी हाथों में सौंपने के BMC के फैसले का कांग्रेस ने विरोध किया। टेंडर तत्काल रद्द करने की मांग की।
बोरीवली भगवती अस्पताल का संचालन मनपा के हाथों में रखने की मांग कांग्रेस ने BMC के टेंडर को रद्द करने की मांग की विधायक भाई जगताप मुख्यमंत्री व बीएमसी आयुक्त को लिखा पत्र मुं कांग्रेस ने बीएमसी के टेंडर की शर्तों पर उठाए सवाल कांग्रेस नेताओं ने टेंडर की शर्तों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि मनपा कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके परिवारों, नगरसेवकों और पीले व भगवे राशन कार्डधारकों को



ही मनपा मरीज की श्रेणी में रखा गया है। इससे अन्य गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को रियायती स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होने का खतरा है। मनपा को 6.50 करोड़ किराया, निजी संस्था को 60 करोड़ का भुगतान कांग्रेस के मुताबिक, बीएमसी को सालाना केवल 6.50 करोड़ रुपये किराया मिलेगा, जबकि पात्र मरीजों के इलाज के लिए संबंधित निजी संस्था को अनुमानित 60 करोड़ रुपये देने पड़ सकते हैं। ऐसे में सार्वजनिक संपत्ति निजी संस्था को सौंपने के बावजूद मनपा पर आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका है। बई के बोरीवली स्थित 490 बेड वाले भगवती अस्पताल को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत निजी संस्था को सौंपने के बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के फैसले का कांग्रेस ने विरोध किया है। मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक भाई जगताप और महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एड. संदेश कोंडविलकर ने मुख्यमंत्री और मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर निजीकरण के लिए जारी टेंडर तत्काल रद्द करनेकी मांग की है।

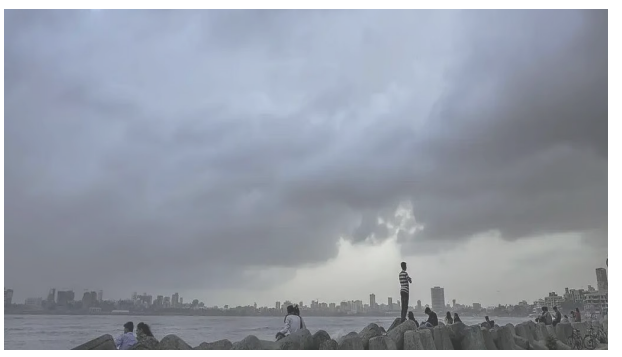
मुंबई के KEM अस्पताल में बदहाल व्यवस्था, 11 में से 6 लिफ्ट बंद; प्लास्टर लगे मरीज सीढ़ियों पर चढ़ने को मजबूर

मुंबई के केईएम अस्पताल में लिफ्ट बंद होने से मरीजों की परेशानी पर बीएमसी स्थायी समिति ने जांच और निलंबन के आदेश दिए।
KEM अस्पताल की 11 में से 6 लिफ्ट बंद, मरीजों को हो रही परेशानी। BMC स्थायी समिति ने जांच के निर्देश दिए, दोषी अधिकारियों पर निलंबन की कार्रवाई होगी। एक महीने में 39 साल पुरानी लिफ्ट की जगह नई लिफ्ट शुरू होने की उम्मीद। इलाज कराने के लिए अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को यदि मंजिल तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों पर रेंगने को मजबूर होना पड़े, तो अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल उठना



लाजिमी है। मुंबई के केईएम अस्पताल में इन दिनों कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है। अस्पताल की लिफ्टें बंद होने के कारण प्लास्टर लगे मरीजों को भी सीढ़ियों के सहारे ऊपर-नीचे जाना पड़ रहा है। इस बदहाल स्थिति के वीडियो सामने आने के बाद मामला गुरुवार को बीएमसी की स्थायी समिति की बैठक में पहुंचा, जहां सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक के पार्षदों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। बैठक में सामने आया कि केईएम अस्पताल में कुल 11 लिफ्टें हैं, लेकिन इनमें से छह लंबे समय से बंद हैं। मरीजों और उनके परिजनों की आवाजाही के लिए महज पांच लिफ्ट उपलब्ध हैं। परेशानी यहीं खत्म नहीं होती, चालू लिफ्टों में भी जरूरत से ज्यादा लोगों के चढ़ने के कारण तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं और वे बीच रास्ते में रुक जा रही हैं। ऐसे में मरीजों को काफी असुविधा झेलनी पड़ रही है। अस्पताल की अव्यवस्थाओं की करें जांच 3 साल के बाद भी पूरा नहीं किए कार्य नगरसेविका यामिनी जाधव ने अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर आपत्ति जताते हुए जांच की मांग की। वहीं, उद्धव सेना के रमाकांत रहाटे ने सवाल उठाया कि जब लिफ्ट से जुड़ा प्रस्ताव वर्ष 2023 ...शेष 7 पर

महाराष्ट्र में बढ़ेगी ठंड या होगी बारिश? मूरासू-अर्नब के बाद बंगाल की खाड़ी में तीसरे चक्रवात के संकेत



बंगाल की खाड़ी में 16 नवंबर तक चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है। जानें महाराष्ट्र, मुंबई, कोंकण और विदर्भ में बारिश या मौसम में बदलाव को लेकर IMD का ताजा पूर्वानुमान। मू अर्नब और मूरासू चक्रवात के बाद बंगाल की खाड़ी में एक बार फिर मौसमी हलचल तेज हो गई है। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र अगले कुछ दिनों में चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। IMD के 13 नवंबर के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, यह सिस्टम 15 नवंबर की सुबह तक ...शेष 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486